

# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

## कलानिधि विभाग

प्रो. नामवर सिंह स्मारक व्याख्यान  
में आपको सादर आमंत्रित करता है

दिनांक : 29 जुलाई (सोमवार), 2024  
समय : सायं 4:00 बजे

### स्थान :

समवेत सभागार, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र  
जनपथ बिल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली

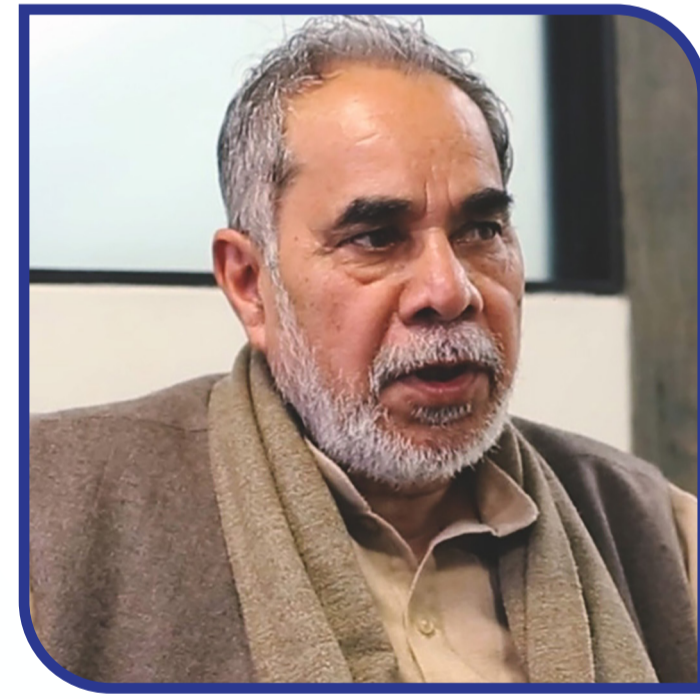
विषय : "नामवर होना और न होना"

### वक्ता



**प्रो. सुधीश पचौरी**  
पूर्व सम कुलपति  
दिल्ली विश्वविद्यालय

### अध्यक्षता



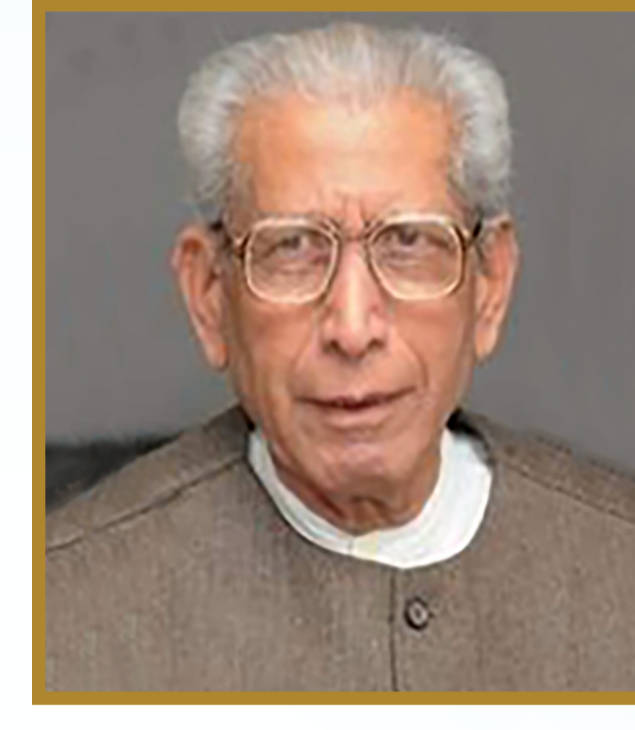
**श्री रामबहादुर राय**  
अध्यक्ष  
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, न्यास

### आधार वक्तव्य

**डॉ. सच्चिदानंद जोशी**  
सदस्य सचिव  
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

### स्वागत एवं परिचय

**प्रो. रमेश चन्द्र गौड़**  
डीन (प्रशासन) एवं  
विभागाध्यक्ष, कलानिधि  
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र



### प्रो. नामवर सिंह (1926-2019)

प्रो. नामवर सिंह हिंदी साहित्य के प्रमुख आलोचक और लेखक थे। उन्होंने हिंदी आलोचना को नई दिशा दी और कई महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियों पर गहन विश्लेषण किया। वे भारतीय भाषा केन्द्र, जेएनयू के संस्थापक व प्रथम अध्यक्ष रहे। प्रो. नामवर सिंह अपनी सेवा-निवृत्ति के पश्चात् इसी केंद्र में "प्रोफ़ेसर एमेरिटस" भी रहे। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'कविता के नए प्रतिमान' और 'दूसरी परम्परा की खोज' हैं। प्रो. सिंह को साहित्य अकादमी पुरस्कार, भारत भारती सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान एवं शलाका सम्मान जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के संदर्भ पुस्तकालय ने वर्षों से प्रख्यात विद्वानों तथा कलाकारों के निजी संग्रह को उपहार स्वरूप अंगीकार किया है। जो कला एवं सम्बन्धित अध्ययन के क्षेत्र में एक विशेष महत्त्व रखता है। प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी, आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, ठाकुर जयदेव सिंह, डॉ. कपिला वात्स्यायन, श्री देवेन्द्र स्वरूप, श्री श्याम बेनेगल इनमें से कुछ प्रमुख निजी संग्रह हैं। इस शृंखला के अन्तर्गत प्रो. नामवर सिंह जी ने अपने जन्मदिन (28 जुलाई, 2018) पर गिफ्ट डीड बनाकर अपने निजी संग्रह को कलानिधि-संदर्भ पुस्तकालय में उपहार-स्वरूप भेंट किया। इन प्रख्यात विद्वानों के सम्मान में तथा उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कलानिधि विभाग प्रतिवर्ष स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता रहा है। इसी क्रम में प्रो. नामवर सिंह जी का स्मारक व्याख्यान 2019 से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। जिनमें 2019 से क्रमशः प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. ओमप्रकाश सिंह, प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी एवं प्रो. बद्री नारायण जैसे प्रख्यात विद्वान इसके प्रमुख वक्ता रहे हैं। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 29 जुलाई, 2024 को छठा स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है।

### प्रो. सुधीश पचौरी

प्रो. सुधीश पचौरी प्रसिद्ध आलोचक एवं वरिष्ठ मीडिया विश्लेषक हैं। प्रो. पचौरी हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, डीन ऑफ कॉलेज एवं सम कुलपति रहे हैं। दैनिक हिंदी अखबार 'जनसत्ता' में उनका एक कॉलम "देखि-सुनी" पिछले 38 वर्षों से भी अधिक समय से लगातार प्रकाशित हो रहा है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हिन्दुस्तान हिन्दी अखबार में भी लगातार उनका लेख प्रकाशित होता है।

प्रो. पचौरी ने विभिन्न विषयों पर, साठ से भी अधिक किताबें लिखी हैं। उनकी कुछ प्रमुख किताबों में 'कविता का अंत', 'दूरदर्शन की भूमिका', 'दूरदर्शन : स्वायत्तता और स्वतंत्रता', 'मीडिया और साहित्य', 'जनतन्त्र और आतंकवाद', 'मीडिया की परख', 'हिंदुत्व और उत्तर - आधुनिकता', 'साहित्य का उत्तरकाण्ड', 'स्त्री देह के विमर्श' आदि हैं।

प्रो. पचौरी के साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें भारतेन्दु हरिश्चंद्र सम्मान हिंदी साहित्यक सम्मान एवं रामचन्द्र शुक्ल सम्मान, से सम्मानित किया जा गया है। केंद्रीय हिंदी संस्थान ने हिंदी आलोचना के क्षेत्र में अप्रतिम हिंदी सेवा करने के लिए उन्हें सुब्रह्मण्यम भारती पुरस्कार से भी सम्मानित किया है।





Ministry of Culture  
Government of India



कला यस्मिन् प्रतिष्ठिताः  
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र  
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

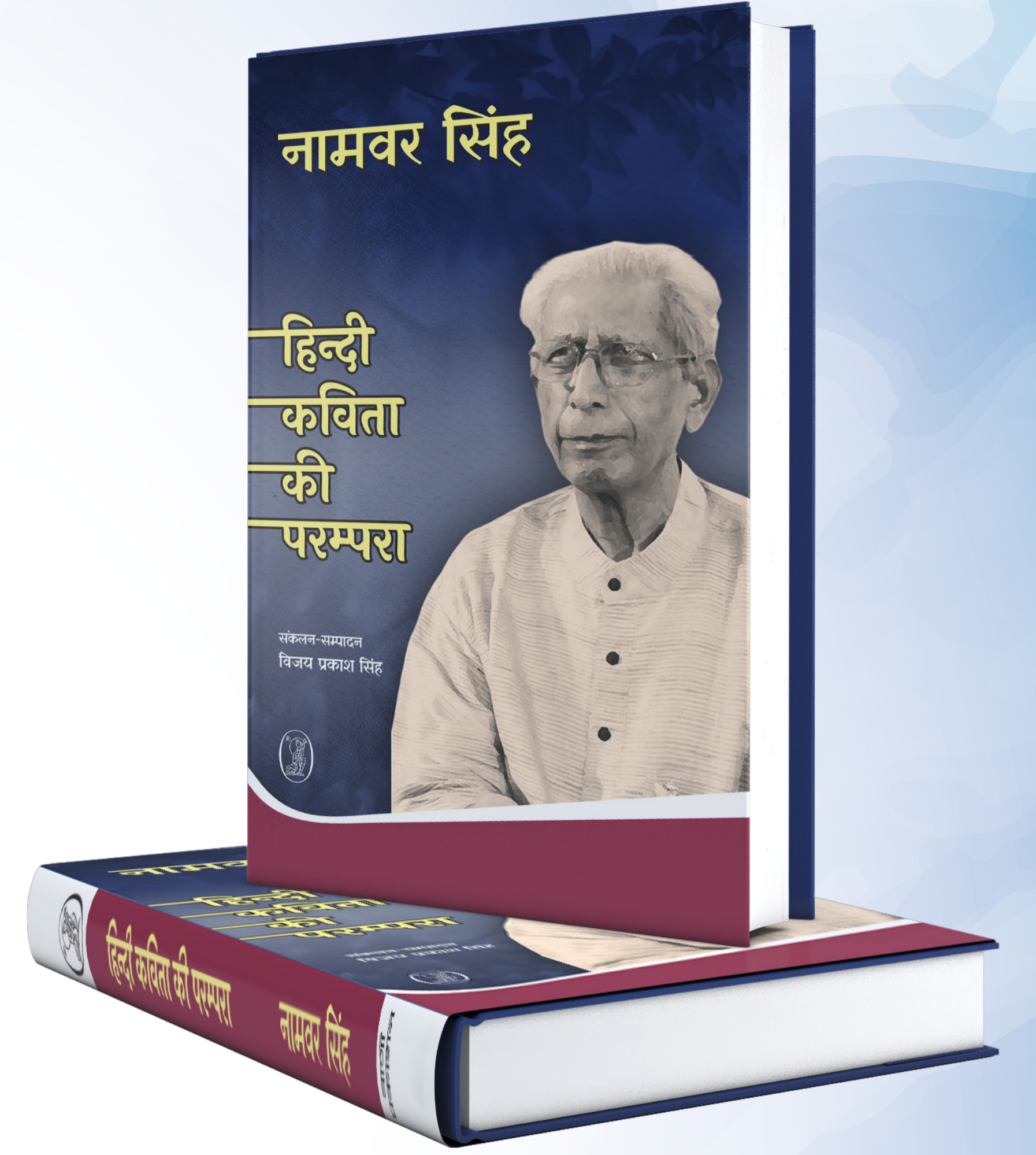
# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र कलानिधि विभाग

नामवर सिंह द्वारा लिखित एवं  
विजय प्रकाश सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक

## हिन्दी कविता की परम्परा

के लोकार्पण के अवसर पर  
आपको सादर आमंत्रित करता है  
(वाणी प्रकाशन द्वारा प्रकाशित)

दिनांक : 29 जुलाई (सोमवार), 2024  
समय : सायं 5:15 बजे



मुख्य अतिथि

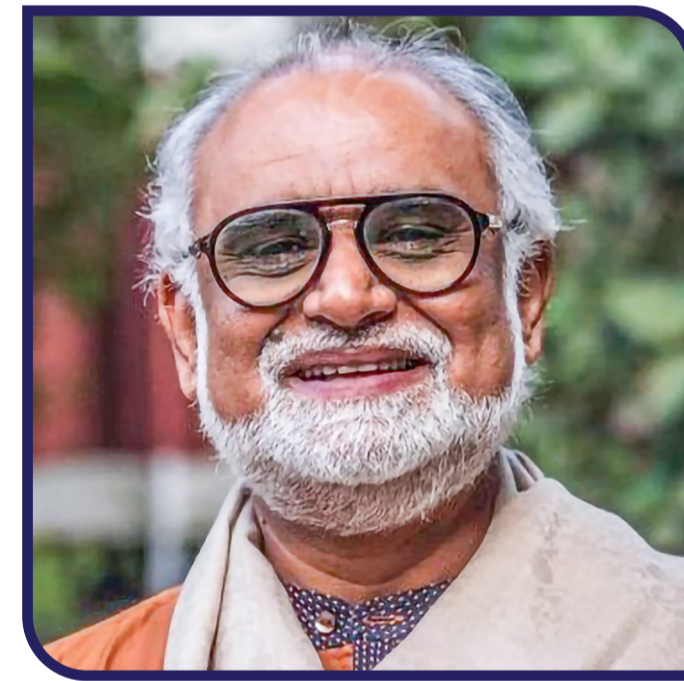


श्री रामबहादुर राय

अध्यक्ष

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र न्यास

अध्यक्षता



डॉ. सच्चिदानंद जोशी

सदस्य सचिव

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

विशिष्ट अतिथि



प्रो. सुधीश पचौरी

पूर्व सम कुलपति

दिल्ली विश्वविद्यालय

गरिमामयी उपस्थिति



श्री अरूण महेश्वरी

प्रकाशक



प्रो. (डॉ.) रमेश चन्द्र गौड़

डीन (प्रशासन) एवं विभागाध्यक्ष, कलानिधि  
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र



श्री विजय प्रकाश सिंह

संकलन-संपादक

स्थान:

समवेत सभागार, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, जनपथ बिल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली